# कांशी विच आया अवतार कोई संगते

कांशी विच आया अवतार कोई संगते,
फूल बरसौंदे सारे खुशिया मनाउंदे,
सारे करदे ने जय जय कार,
कांशी विच आया अवतार कोई संगते,

इंद्र पूरी तो परियां ाइयाँ,
माँ कलसा नू मिलान वधाईयां,
पिता संतोख दे घर विच आये,
कॉम दे सिरजन हार,
कांशी विच आया अवतार कोई संगते,

कोई आखे एहनु रूप अलाही,
कूप हनेरेया दी रुशनाइ,
बाद उम्र विच खबरे आ गई सचखंड दी सरकार,
कांशी विच आया अवतार कोई संगते,

गौ गरीब दी करण गे राखी,
रेहन नि देनी वेइन्साफ़ी,
चन गोराया वाले ते हो गई रेहमत अप्रम पार,
कांशी विच आया अवतार कोई संगते,

https://visualasterisk.com/bhajan/lyrics/id/9062/title/kanshi-vich-aaya-avtaar-koi-sangte-kanshi-vich-aaya-avtar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |